

आभा मरुकाथि

2085

I

PS HIVES

ॐ जगन्मूर्धनि

ॐ यमनदरुमिति ॥
 ॐ यनदविमिति ॥
 ॐ ममयनसंमिति ॥
 ॐ नववायुमिति ॥
 ॐ कविदेवगङ्गमिति ॥
 ॐ अहिलेशूलनमिति ॥
 ॐ ग्रीषियदादमिति ॥
 ॐ वक्रलस्यनमिति ॥
 ॐ मिलाकयालकलक्षय
 जाविधिः ॥
 ॐ ब्रीहयश्चममिति ॥
 ब्रीहियजा ॥ ॐ हिन
 ल्यगर्कमिति ॥ गर्कयजा
 ॥ ॥ ॐ त्वेजविष्टमिति ॥
 यक्षाकवक्ष ॥ ॐ या
 रुलनीमिति ॥ रुले ॥
 ॐ रुदस्यनमृदिवसीमिति ॥
 रुपयजा ॥ ॐ जाव

क्रन्वाक्षति ॥ यगाका
पूजा ॥ ॐ वक्रयस्तुति
॥ ॥ अभिदवगा ॥ ॐ
अध्ववायदिनि ॥ वलिवि
य ॥ ॥ गताबन्दनय
ध्वधूपदीयरुलनेव
शगाभलादीतिदत्ता ॥
धवमनुष्यवयाववि
रा ॥ ॐ मनाहूति ॥ यति
ष्टा ॥ जयशुति ॥ ॥
ॐ तमाहूत्याय ॥ उग्रका
नसहस्रकाटिरस्यष्ट
हियामहिषी (गन्दीवः
नृपुमावराधवलयात्र
द्वियन्ता काले ॥ देवेनः
विदुष्वलेष्टमेतिहि ॥
संस्रमाने सदा दवन्देस
वेविदर्थसमनेदिशाऊ

हर्षरुज ॥ ॥ तमस्तुत्या
न ॥ ॥ ॐ कयानस्थि
ति ॥ क (शनायविस्तर
॥ ॥ वृत्तिवृन्दादिलाक
यालकलेष्टमर्चने ॥

तमा गलकलेष्टमर्चने ॥
ॐ मृ शसनायनमः ॥ ॐ
गल यनयनमः ॥ ॐ
गलतील्वनि ॥ ॥
आवाहनवेन्दुनयध्वधू
पदीयरुलनेवशगा
मवादीतिदत्ता ॥ ॥
ॐ मनाहूतिनि ॥ यतिष्टा ॥
जयस्तुति ॥ ॐ गजवक्रा
महावीरा मूलमादकया
सिधक ॥ सर्वविघ्ननिवार
के ग ज्ञायनमास्तुत ॥

॥ ॥ अथ गन्धदि ॥

गन्धायुक्तकलशमर्चने ॥

ॐ यद्वासाय नमः ॥

ॐ वृहस्पतये नमः ॥

ॐ वृहस्पतये नमः ॥ आवा

हनसुन्दरतयस्य पूषा दी

यः सुतः नैवशः ताम्रवा

दीनिदत्ता ॥ ॥ ॐ म

नाहनि ॥ यमिष्टा ॥ ॥

जयमाता ॥ ॥ ॐ देवा

तीवेव सर्वेषां जयीष्व

केतनाधियः ॥ युवमहि

र्षेण सुसुखं सर्वेष्वसुवि

श्वरदः ॥ ॥ अथ ग

न्धदि ॥ ॐ गन्धायुक्तकल

श ॥ ॥ ॥

गन्धायुक्तकलशपूजा ॥

न्यासादि अर्घ्याय पूजा ॥

ॐ तत्साम्यामीनि ॥ आसने ॥

ॐ तमः त्रयस्त्रिंशति ॥

शुचिकलश ॥ ॐ देवस्य

त्वमि ॥ असूक्तं ॥

ॐ यद्वासाय नमः ॥

ध्यान ॥ शिवशक्त्यात्म

के वन्दे ॥ श्वेताचलशुवि

क्रमात् ॥ शिवशक्त्यात्म

सर्वेष्वेव देवर्षेण लोक

ये ॥ ॥ ॐ श्री शिवश

क्त्यात्मकाय नमः ॥ शि

वाङ्मलि ॥ ॥ ॥ यजुर्ने ॥

ॐ शिवाय नमः ॥ ॐ शक

य नमः ॥ ॐ नमः शम्भवा

यमि ॥ ॐ याम्भी देवग

म्भ ॥ यिनवः श्मयामग ॥

तया मासमध्या (अमध)
 विनेकसाला ॥ ॥ इंद्री
 रुद्रमंठंति ॥ श्रीदिपूजा
 ॥ इंदिरा लक्ष्मणकंठंति ॥
 गणेशपूजा ॥ ॥ इंद्री
 विष्टदंति ॥ वक्राष्टुर्ग
 ॥ इंद्याष्टरुलनीतिनि ॥
 रुल ॥ ॥ इंदुरुद्रस्यगच्छ
 दिविनि ॥ रुद्रपूजा ॥
 इंदुस्माकमिन्द्रकंति ॥
 यगाकाष्टुजा ॥ ॥ वन्द
 नयव्यधूय दीय रुले
 नवश गाम्बलादि ॥ य
 वरवदतविद्याव ॥ ॥
 इंदुमनाहूति ॥ युनिष्टा ॥
 ऊयसाय ॥ ॥ वामाव
 स्मिन्नाकिदक्षिणकनमा
 शिष्टवैकादोले सान्धा

न्येकलगावह दकलितपीडा
 नगास्यामूर्त्ति ॥ अश्विनाम
 मरुसुकाकिसदृशीलीला
 विलासाश्च न वन्दनित्ति
 तयपुसन्दनमरुकेलास
 रुमादिरं ॥ ॥ इंदुयान
 शिष्टंति ॥ कृष्णनायविस्त
 ललयाय ॥ ॥ इंदुमिष्टि
 वक्षकिकलशपूजाविधि ॥

नगा (अमयलिकृष्टुजा ॥
 इंदुव्यासनायतमः ॥
 इंदु (अमयलिकृष्टुयतमः ॥
 इंदु शिवा नामासीति ॥ ॥
 वन्दनादगानिदत्वा ॥
 नमस्कारयाय ॥ इंदुमिष्टि ॥

गतः आदित्यकलशपूजा

शुभि ॥ ॥ ॐ कनकवतमः
॥ ॐ कनकवतमः ॥ ॥ ॐ क
नकनमः ॥ ॐ कनकवतमः
मि ॥ ॥ ॐ श्रीरुच्यम्
ॐ मि ॥ श्रीरु ॥ ॐ हि न
ॐ गक ॐ मि ॥ गक पूजा
॥ ॐ ल ॐ विदुद मि ॥
नकाकन ॥ ॐ या ॐ
लनीमि ॥ रुत ॥ ॐ
रुस्यग ॐ दि नमी मि ॥
ॐ ॥ ॐ अस्माक विन्दु
ॐ मि ॥ यगाका पूजा ॥
यन्दन यष्य धूप दीप
रुत नैव य गाम्बलादि
निदत्ता ॥ यवश्वदत
विय ॥ ॥ ॐ मनाहू मि
॥ शुभि ॥ ॐ यस्तु मि ॥
लाकालाक गिनी ॥ ॐ

शुभि ॥ ॥ ॐ कनकवतमः
कनकवतमः ॥ ॐ क
नकनमः ॥ ॐ कनकवतमः
मि ॥ ॥ ॐ श्रीरुच्यम्
ॐ मि ॥ श्रीरु ॥ ॐ हि न
ॐ गक ॐ मि ॥ गक पूजा
॥ ॐ ल ॐ विदुद मि ॥
नकाकन ॥ ॐ या ॐ
लनीमि ॥ रुत ॥ ॐ
रुस्यग ॐ दि नमी मि ॥
ॐ ॥ ॐ अस्माक विन्दु
ॐ मि ॥ यगाका पूजा ॥
यन्दन यष्य धूप दीप
रुत नैव य गाम्बलादि
निदत्ता ॥ यवश्वदत
विय ॥ ॥ ॐ मनाहू मि
॥ शुभि ॥ ॐ यस्तु मि ॥
लाकालाक गिनी ॥ ॐ

नगानाग यष्टुजा ॥ ॐ
नागनाजायनमः ॥ ॐ
नमास्तु सत्यमि ॥ ॥
आवादन वन्दनादि ॥

गगन ० छिल पूजा ॥ ॥
 न्यासादि अर्घ्याय आत्म
 पूजा ॥ ॐ नत्वा यामिनि
 ॥ असनी ॥ ॥ ॐ दवस्य
 त्वा ॥ अस्य कर्ष ॥ द
 वान कामन ॥ दाद सव
 दन पूजा ॥ ॥ अस्य
 सादि ॥ ८ ॥ ॥
 ॐ आरु न वृत्ता ॥ ॥
 ॐ या न व द स ॥ ॥
 ॐ का ल सिस ॥ ॥
 ॐ आ दि प्र स व ॥ ॥
 ॐ प्र वा ड वा अ ॥ ॥
 य के ला क या व ॥ ॥
 ॐ शं क ण त्या दि ॥ ८ ॥
 वा ष ण य ॥ ॥ ॐ
 अ द वा जा य ॥ श ग र्व
 नी ॥ ॥ ॐ अग्नि मी उ ॥

वसुवद ॥ ॐ वृत्ता ॥
 यशवद ॥ ॐ अग्नि मी उ ॥
 सामवद ॥ ॐ शं क ण द वी ॥
 अथर्ववद ॥ ॐ अर्द्ध मा सा
 ॥ ॥ सा स ॥ ॐ न द क र्व
 स्य सा रु ॥ न द क र्व ॥
 ॐ या (ग या (ग ॥ या ग
 ॥ ॐ अ श्व सु य वा ॥ ना सि
 ॥ आ वा रु ना दि ॥ व
 न्दन य व्य (धू य दी य
 रु ल ने व श ना म्ब ला
 दि ॥ ॥ ॐ म ना हू ति ॥
 य नि ष्ठा ॥ अ य सार्थ ॥
 अ य ग न्ध दि ॥ ॥
 वृ नि थ नि दि व ॥ ॥

गगामरु ॐ य क ल न
 पूजा ॥ ॥ न्यासादि अर्घ

याशात्मपूजा॥ ॥ॐ नत्वा
यामि॥ आसने ॥ ॥ॐ त्व
मन्त्रशक्ति ॥ शुभिक व
ने ॥ ॥ॐ दवस्यत्वनि ॥
अस्यदर्श ॥ ॥ॐ यद्वा
सनायनम॥ ॥ॐ मृत्युर्
यायनम॥ ॥ ध्यान
॥ रुद्रकमयसंकाशं च
न्यमशुलमध्वगं + प्रिला
वने वज्रकाश्यं मृत्युर्जय
विणवयन ॥ ॥ॐ
आजिष्मकलेशमिति ॥
आवारुनेस्मायने ॥ ॥
ॐ हंसम॥ धामृत्युर्जय
लग्नद्वयं ॥ ॐ हंसम॥
सैनिधिं कुरु ॥ ॥
अस्यदर्शं वदकवयनाय
युष्म ॥ ॥ शिवायैति

॥ ॥ॐ हंसम॥ धामृत्युर्जय
यजमनं ध्यायमहात्म्यं
शक्तिसहितायनम॥ ॥ ॥
ॐ मृत्युर्जयायनम॥ ॥
वेद ॥ ॥ॐ यमवैयजामहं
वृत्ति ॥ ॥ गतायनिवा
वाचने ॥ ॐ ध्यायनम॥
ॐ हंसम॥ ॥ॐ ध्यायन
म॥ ॥ॐ वृद्धविष्णुमिति ॥
॥ॐ मासायनम॥ ॥ॐ
वृद्धायमिति ॥ ॥ॐ अर्था
नम॥ ॥ॐ दवश्चमाविनि ॥
॥ॐ अनलायनम॥ ॥ॐ
विष्णुर्नैकमिति ॥ ॥ॐ
अनिलायनम॥ ॥ॐ दि
वावाविष्णुमिति ॥ ॥ॐ
यत्कृषायनम॥ ॥ॐ यम
दिव्यमिति ॥ ॥ॐ यम

सायनम४॥ ॐ विष्णवे नमः ॥
नाटमिति ॥ ॥ ॐ श्रीरु
यधम ॥ श्रीरु ॥ ॐ हि
वक्ष्यगर्कठरुति ॥ गर्कपू
जा ॥ ॐ लंङ्गविष्टदति ॥
वका ॥ ॐ या४रुलनी
मिति ॥ रुल ॥ ॐ वृद
स्यगच्छदिवसीति ॥ ॐ
प्रपूजा ॥ ॐ अस्माकमि
न्द्रमिति ॥ यताका ॥
यत्नन यथा धूय दीय
रुलनेवश ताम्बलादि
नि ॥ ॥ ॐ मनोहमिति ॥
यनिष्ठा ॥ अयमाय ॥
सयायसयारुजयोद्ध
निन्दुविम्व कर्मकेष्टुष्ट
ममने४ सगर्गवलक्ष्मी४
+ अग्नीयीवववदारयः

यासिष्टुली मल्लजयाज
यमिसाङ्गतिष्मकवस्तु४
॥ ॥ ॐ कयानश्चिप
मिति ॥ कर्षातयनिसावर्ष
याय ॥ ॐ निमल्लेर्जय
कलश ॥ ॥

अथजदनीजदपूजा ॥
ॐ यथायनम४ ॥ ॥
ॐ यथा (धोतम४ ॥ ॥
ॐ अत्र अस्मावदहन४
यतिन४ समनारव + य
यनायकसदसुजित्व०
सिधनदा अ अ सिखादा
॥ ॐ यनायकत्वयमाय
पूयायवृदति ४ + प्रवा (य
वीददायन४ खादा ॥ ॥
आवाहनं ॥ यत्ननादि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॥

मूहिकलक्षयूजायाय॥
 न्यासादिअर्घवायात्मयू
 जा॥ ॥ॐ नत्वायामि
 ति॥ आप्तने॥ ॥ॐ त
 मन्त्रश्चरित्वि॥ ध्रुवी
 कनक्षी॥ ॥ॐ दवस्य
 त्वि॥ अत्यकक्षी॥ ॥
 ॐ यद्वास्त्यायनम४ ॥
 ॐ यथादवस्य॥ ॥
 ध्मने॥ ॐ आदिश्च क
 लक्षमिति॥ ॥ आवा
 रुनेस्त्रायने॥ ॥ यथा
 दवाय॥ ॐ हागम्भरॐ
 रुमिष्टॐ सन्निधक
 नेरसाहा॥ ॥ अस्तु

सैलककवयतावयुष्ट
 यत ॥ ॥ यथादवस्यति
 याङ्गैलि ॥ ३ ॥ ॐ यथा
 दवायनमः ॥ वद ॥
 दवान्कमन ॥ ॥
 मनिवानदादसमृत्तिक
 लक्षपूजा ॥ ॥ ॐ यङ्गै
 गत्यादि ॥ ॥ ॐ वीरुय
 श्रम ॥ वीरिपूजा ॥
 ॐ दिवस्यगर्कठूंगि ॥
 गर्कपूजा ॥ ॥ ॐ तैज
 विष्टदति ॥ वक्रावन्धन
 ॥ ॥ ॐ याऽरुलनीति
 ॥ रुल ॥ ॐ वृहस्यगङ्ग
 दिविनि ॥ रुय ॥ ॐ
 रुसाकमित्युष्टंगि ॥
 यगाका ॥ ॥ वन्दन
 यय धूय दीय रुलने

वयं नाम्नादिनि ॥
 यवश्च वदन्तविय ॥
 ॐ मन्त्राद्विनिवि ॥ य
 निष्ठा ॥ जयस्वाय ॥
 जगन्मन्त्रादि ॥ ॐ क
 यान्त्रियुक्ति ॥ कृष्ण
 नयनिस्तवर्ष ॥ ॥
 वृत्तिमूर्त्तिकलशसूत्रा
 विधि ॥ ॥

अथशीलश्रीपूजन४॥
 ॐ शिथेतम४॥ ॐ लक्ष्मी
 तम४॥ ॐ श्रीधनलक्ष्मी
 विनि ॥ ॐ श्रीमालवीवि
 नि ॥ आवाहन, वन्द
 नादि ॥ ॥ ॐ निशील
 श्री ॥ ॥ ॥
 गगानिडाकलक्षपूजा ॥

न्यासादि अर्घ्यानात्मक
 जा ॥ ॥ ॐ नत्वायामिति
 ॥ आसने ॥ ॐ तमः
 शक्तिरिति ॥ शुचीकवर्ष
 ॥ ॥ ॐ दवस्यत्वमि ॥
 अस्यदक्ष ॥ ॥ ॐ द
 वगर्कोयनम ॥ ॐ
 निद्रायेनम ॥ ॐ न
 कूर्द्धवदितमिति ॥ ॥
 ॐ वायेशीर्वायशानीति
 ॥ ॐ श्रीरुयस्त्रमं ॥ ॐ ति ॥
 वीदि ॥ ॐ हिरस्त्रग
 कं ॥ ॐ ति ॥ ॐ ग ॥ ॐ या
 ॐ रुतनीविति ॥ ॐ रुत ॥
 ॐ रुतस्यतद्गदिवसीति
 ॥ ॐ ॥ ॐ अस्माकः
 मिन्द्रं ॥ ॐ यमाका
 जा ॥ ॥ ॐ न्यन ययध

य दीय रूल नेवश ना
मलादीनिदयात् ॥ ठूनि
निडाकलसविधि ॥

सर्थाकसपूजन ॥ ॥
ॐ सार्थोयेत म४ ॥ ॐ ना
जस्यधूतदति ॥ ॥
नमजस्य विवेजीवादि ॥
सर्वकलसामासतैयकन
कपयाग ॥ कलसविधि
श्रीवदावतयाय ॥ ॥
सगुन गक्षयति (गमय)
स कोमानी वलि ॥ स
र्वताग दखायिखा
किवा मालकापूजायाय
॥ कसकन ॥ सिंधुमठ ॥
वउ४ सति ॥ धूव दीय ॥
रूल नेवश ॥ ॥ ॐ म

आ ॥ मरुकाथि

2085

I





















